Class - B.A- I (Pol. science Honours)

Paper - I

Name of the Guest Teacher - Khushbu Kumari, V.S.J college, Rajnagar, dept. of Pol. science Madhubani, lnmu

Topic - औचित्यपूर्णता (Legitimacy)

Lecture - 2

औचित्यपूर्णता के प्रकार :-

रॉबर्ट डहल, मैक्स वेबर जैसे विद्वानों ने औचित्यपूर्णता के प्रकार बताये हैं।

मैक्स वेबर ने औचित्यपूर्णता के तीन प्रकार बतलाये हैं—

(1) परम्परागत औचित्यपूर्णता, (2) कानूनी औचित्यपूर्णता और (3) करिश्मात्मक औचित्यपूर्णता।

स्टर्नबर्जर ने औचित्यपूर्णता के दो प्रकार बतलाये हैं—

(1) दैवीय औचित्यपूर्णता — यह प्राचीन मिस्र के देवतुल्य सम्राटों, ईसाई जगत में ईसा के 'ईश्वर पुत्र' की, मित्र और मूसा की प्रेरणाएँ, आदि में देखने को मिलती है।

(2) नागरिक औचित्यपूर्णता — इसका अस्तित्व उस समय देखने को मिलता है जबकि शासन सामान्य हित के लिए विभिन्न स्वायत्तशाली इकाइयों के बीच सहयोग हेतु समझौते के रूप में होता है। अरस्तू का पोलिस, मध्यकाल के आर्थिक संघ और आधुनिक व्यवस्थाएँ, आदि

इसी श्रेणी में आती है।

राबर्ट डहल ने औचित्यपूर्णता को सरकारों के वर्गीकरण का व्यापक आधार बताया है। वह उच्चस्तरीय औचित्यपूर्णता रखने वाली सरकारों को एक वर्ग में रखता है और उन्हें 'औचित्यपूर्ण व्यवस्थाएँ' कहता है तथा दूसरे वर्ग में दुर्बल औचित्यपूर्णता वाली सरकारों को रखता है जो परम्परागत शब्दों में अत्याचार तन्त्रों की प्रतीक हैं।

औचित्यपूर्णता का संकट :-

औचित्यपूर्णता का संकट का अर्थ यह है कि व्यवहार में अनेक बार व्यवस्था की वैधता या औचित्यपूर्णता के लिए संकट की स्थिति खड़ी हो जाती है। इसका कारण यह है कि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों में निरन्तर परिवर्तन होते रहते हैं। यदि राजनीतिक व्यवस्था अपने आपको इन परिवर्तनों के अनुरूप बना लेती है तब तो उसकी वैधता बनी रहती है; लेकिन यदि राजनीतिक व्यवस्था अपने आपको परिस्थिति के अनुरूप नहीं ढाल पाती, तो उसकी वैधता को आघात पहुँचता है। जो स्थितियाँ राजनीतिक व्यवस्था की वैधता के लिए संकट खड़ा करती हैं, उनमें से कुछ प्रमुख का उल्लेख निम्नलिखित है —

(1) नवीन अवस्थाएँ — समय की गति के साथ नवीन विचार, नवीन धारणाएँ और नवीन ढाँचे उत्पन्न होते हैं तथा अनेक प्रकार की नवीन अवस्थाएँ जन्म लेती हैं। परिवर्तित परिस्थितियों और इन नवीन अवस्थाओं के कारण राजनीतिक व्यवस्था में परिवर्तन की आवश्यकता उत्पन्न होती है। यदि राजनीतिक व्यवस्था अपने आपको इन परिवर्तनों के अनुकूल बना लेती है, तब तो उसकी वैधता बनी रहती है, लेकिन जो राजनीतिक व्यवस्थाएँ समय की माँग के अनुसार परिवर्तित नहीं होती इनकी वैधता के लिए संकट खड़ा हो जाता है।

(2) कुछ परम्परागत संस्थाओं या समूहों के लिए अस्तित्व का संकट - वैधता का संकट उस समय भी खड़ा हो जाता है जब नवीन अवस्थाओं के कारण प्रमुख परम्परागत संस्थाओं या समूहों की स्थिति के लिए संकट खड़ा हो जाता है। जब ऐसी स्थिति आती है तब इन संस्थाओं और समूहों द्वारा अपनी पूरी शक्ति और सामर्थ्य के साथ न केवल नवीन अवस्थाओं, वरन् इन नवीन अवस्थाओं को स्वीकार करने वाली राजनीतिक व्यवस्थाओं को चुनौती दी जाती है। ऐसी स्थिति में यदि परम्परागत तत्व पर्याप्त शक्तिशाली हो तो समस्त राजनीतिक व्यवस्था की वैधता के लिए संकट खड़ा हो जाता है।

(3.) व्यवस्था के प्रति अत्यधिक आशाएँ - आकांक्षाएं — जब परिवर्तित परिस्थितियों के कारण नवीन राजनीतिक व्यवस्था या संस्थाएँ अस्तित्व में आती हैं तब अनेक बार

Scanned with CamScanner

सामान्य जन इस व्यवस्था से बहुत अधिक आशाएँ - आकांक्षाएँ रखने लगते हैं। जब राजनीतिक व्यवस्था जनसामान्य की इन आशाओं - आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाती, तब उसकी वैधता के लिए संकट खड़ा हो सकता है।

(5) प्रभावशीलता का अभाव - इन सबके अतिरिक्त राजनीतिक व्यवस्था की वैधता के लिए सबसे बड़ा संकट उस समय उत्पन्न होता है, जब राजनीतिज्ञ अपनी प्रभावशीलता खो दे या उनकी प्रभावशीलता में भारी कमी आ जाय। राज्य का कार्य अपने नागरिकों की रक्षा तथा हित वृद्धि तथा दुष्टों का दमन होता है और यदि कोई राजनीतिक व्यवस्था यह कार्य नहीं कर पाती, तो उसका वैधता का दावा मात्र कागजी बनकर रह जाता है।

वैधता को प्राप्त करने एवं बनाये रखने के उपाय :-

(1) नवीन परिस्थितियों के अनुसार राजनीतिक व्यवस्था में परिवर्तन के द्वारा वैधता को स्थिर बनाये रखा जा सकता है।

(2) प्रत्येक देश की स्थापित परम्पराओं की रक्षा करके वैधता को बनाये रखा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(3) जिस विधान के आधार पर किसी व्यक्ति या व्यक्ति समूह ने राजनीतिक शक्ति ग्रहण की है, उस विधि-विधान तथा वैधानिक व्यवस्था की रक्षा करके वैधता को बनाये रखा जा सकता है।

(4) व्यवस्था की वैधता को बनाये रखने में चमत्कारिक नेतृत्व का भी योगदान होता है।

(5) आधुनिक युग में किसी व्यवस्था के लिए वैधता प्राप्त करने का बहुत प्रमुख साधन उसका प्रभावी होना है।

Scanned with CamScanner